ड्रोन मंथन

कृषि संकाय फरीदीपुर, सुलतानपुर।

दिनांक : 22 / 03 / 2023

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुलतानपुर–228118
KAMLA NEHRU INSTITUTE OF PHYSICAL & SOCIAL SCIENCES SULTANPUR-228118
(FACULTY OF AGRICULTURE, SULTANPUR U.P.)

दिनाँक :–08 / 02 / 2023

सूचना

कृषि संकाय के बी.एस–सी. एवं एम.एस–सी (कृषि) के समस्त छात्र / छात्राओं को सूचित किया जाता है कि ड्रोन मंथन ट्रेनिंग कम वर्कशाप का सात दिवसीय कार्यक्रम, दिनांक 22 / 02 / 2023 से होना सुनिश्चित हुआ है। इच्छुक अभ्यार्थी रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करके अपना रजिस्ट्रेशन दिनांक 19 / 02 / 2023 तक सुनिश्चित करा लें।

नोट– रजिस्ट्रेशन स्थान (आनुवाशिंकीय एवं पादप प्रजनन विभाग)

समन्वयक
कृषि संकाय
के0एन0आई0पी0एस0एस0
सुलतानपुर।

प्रतिलिपि सेवा में सूचनार्थ प्रेषित–

1. प्राचार्य के.एन.आई.पी.एस.एस. सुलतानपुर।
2. अध्यक्ष / वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि वैज्ञान केन्द्र सुलतानपुर।
3. डॉयरेक्टर IQAC के.एन.आई.पी.एस.एस. सुलतानपुर।

समन्वयक
कृषि संकाय
के0एन0आई0पी0एस0एस0
सुलतानपुर।

आख्या

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुल्तानपुर के कृषि संकाय में सात दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र सुल्तानपुर और जस्ट एग्रीकल्चर ग्रुप के सहयोग से किया गया। मौके पे मौजूद कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी डॉ. जे.बी.सिंह, प्रो0 आलोक कुमार सिंह (प्राचार्य), डॉ. सी. के त्रिपाठी, डॉ. नीरज सिंह, डॉ. दुर्गेश सिंह, जी के द्वारा जस्ट एग्रीकल्चर जोनल हेड ऑफिसर शिवेन्द्र प्रताप राठौर, और ड्रोन राजा के नाम से प्रसिद्ध श्री. गोपी राजा और मधु को सॉल और पुष्प से स्वागत किया गया। संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने बताया कि ड्रोन कीटनाशकों या कीटनाशकों के छिड़काव के लिए उपयोग किए जाने वाले 95 प्रतिशत पानी को बचाने में मदद करते हैं। 8 लीटर पानी में 150–200 मिलीलीटर कीटनाशक या कीटनाशक मिलाने पर यह काफी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अब ड्रोन के विकास के साथ विभिन्न रसायन सामने आ गए हैं और उन्हें कमजोर पड़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि ये ट्रेनिंग प्रोग्राम में सभी विद्यार्थी को ड्रोन पायलट की तरह ट्रेंड कर दिया जाएगा जो की माननीय प्रधानमंत्री जी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सराहनीय प्रयास होगा। इस प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थी ड्रोन उड़ाने में सक्षम होंगे और इनकी उपयोगिता का प्रचार प्रसार किसानों के बीच कर सकेंगे। स्टार्टअप इंडिया के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करने में सफल होंगे। कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर सी. के. त्रिपाठी ने कहा कि हमारी टीम का उद्देश्य है की पूरे भारतवर्ष में कृषि की मान और मर्यादा को आगे बढ़ाए और शान से कह सके भारत विश्व गुरु था, है और हमेशा रहेगा। प्रोग्राम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित , पुष्प अर्पित और मां सरस्वती वंदना से किया गया।

डॉ. नीरज सिंह –I
(कृषि संकाय)
के0एन0आई0पी0एस0एस0
सुलतानपुर।

के एन आई में सात दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण सतत संचालित

संतोष पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख
वॉयस ऑफ अमेठी

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान,सुल्तानपुर के कृषि संकाय फरीदीपुर में सात दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण का कार्यक्रम पूर्ण सफलता के साथ संचालित है।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्यतः के एन आई के तत्वावधान में आयोजित है जो दिनांक 22 फरवरी से 28 फरवरी 2023 तक एक अभिनव तकनीकी यंत्र ड्रोन का कृषि में नव आगामी उपयोग के प्रशिक्षण पर केन्द्रित है।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में के वी के सुल्तानपुर,आई सी ए आर व जस्ट एग्रीकल्चर होशियारपुर, पंजाब एक सहयोगी अंग के रूप में तकनीकी व बौद्धिक सहयोग प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर संस्थान प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह व मुख्य अतिथियों नें मां सरस्वती व बाबू के एन सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की।डॉ शिवेन्द्र प्रताप सिंह राठौर , जोनल हेड आफिसर जस्ट एग्रीकल्चर होशियारपुर पंजाब व मि गोपी राजा सात दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथियों का संस्थान प्राचार्य ने बुके दे कर स्वागत किया तथा इस मौके पर इन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में कृषि संकाय के विद्यार्थियों के साथ साथ प्राध्यापकों व अन्य महाविद्यालयों से पधारे विद्यार्थी भी कृषि क्रिया कलापों में ड्रोन की उपयोगी प्रशिक्षण से लाभान्वित होंगे। डॉ शिवेन्द्र प्रताप सिंह राठौर नें अपने उद्बोधन में कहा कि आज के हर छात्र छात्राओं को कृषि क्षेत्र में ड्रोन की उपयोगिता व तकनीकी पक्ष को जानना नितान्त आवश्यक है क्योंकि यह नव प्रयोग स्वरोजगार प्राप्ति का आधार भी बन सकता है।प्रशिक्षण के प्रथम दिवस पर डॉ सी के त्रिपाठी नें कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम से कृषि क्षेत्र में निपुण व बेहतर मानव संसाधन का विकास होता है जो राष्ट्र को विकास मार्ग पर बढ़ने में मदद करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर प्राचार्य जी के नेतृत्व में के एन आई नें जस्ट एग्रीकल्चर के साथ एक एम ओ यू हस्ताक्षर किया व प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा जस्ट एग्रीकल्चर रिसर्च मैगजीन का अनावरण भी किया गया।प्रथम दिवस के प्रशिक्षण में उपस्थित छात्र छात्राओं,कृषि संकाय के प्राध्यापकों तथा के वी के के वैज्ञानिकों नें ड्रोन के प्रकार,कृषि क्षेत्र में ड्रोन की उपयोगिता व इसका विस्तार आदि के बारे में जानकारी हासिल की।आज दिनांक 23.02.2023 को ड्रोन प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस पर कार्यक्रम में उपस्थित मि. गोपी राजा नें ड्रोन के रिमोट फ्लाइंग कन्ट्रोल के विभिन्न तकनीकी विधाओं के बारे में प्रशिक्षित किया।उपस्थित सभी विद्यार्थी व शिक्षक आज ड्रोन की आवश्यक ऊंचाई व क्षमता,कृषि फसलों में कीटनाशक/तृणनाशक/रोगनाशक दवाओं के छिड़काव के साथ साथ फसल सिंचाई के वक्त ड्रोन को रिमोट से संचालित व नियंत्रित करने की बारिकीओं में प्रशिक्षित हुए।कृषि संकाय के प्राध्यापक डॉ नीरज सिंह ने बताया कि कल दिनांक 24.02.2023 को प्रशिक्षण कार्यक्रम में ड्रोन के विभिन्न अंगो व उनके उपयोग के बारे में बताया जाएगा।प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि संकाय के विद्यार्थियों के साथ साथ डॉ नीरज सिंह,डॉ दुर्गेश सिंह व अन्य प्राध्यापक,डॉ जे बी सिंह व डॉ सी के त्रिपाठी,के वी के सुल्तानपुर एवं बी एच यू के साथ साथ अन्य महाविद्यालयों से आए हुए विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

ड्रोन तकनीक से बड़े पौधों पर छिड़काव पड़ता सस्ता

वॉयस ऑफ अमेठी

सुल्तानपुर ब्यूरो। कमला नेहरू संस्थान में चल रहे ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन जस्ट एग्रीकल्चर के संस्थापक डॉ डीपीएस बड़वाल एवं जोनल हेड शिवेंद्र प्रताप राठौर के माध्यम से ड्रोन उपलब्ध कराया गया। शनिवार को ड्रोन प्रशिक्षक गोपी राजा ने स्प्रेयिंग ड्रोन से बड़े पौधों पर कीटनाशकों एवं कवक नाशक दवाओं का छिड़काव करके उपस्थित विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को प्रशिक्षित किया।डॉ.विशाल सिंह ने बताया कि ड्रोन तकनीक से छिड़काव करने से कम लागत लगती है और इससे कम समय में अधिक क्षेत्र में समान रूप से छिड़काव किया जा सकता है। इस मौके पर कृषि संकाय के डॉ.नीरज, डॉ. विशाल, डॉ अंशुमान, डॉ.पी. सी.यादव, डॉ.अभिनव कुमार सिंह, डॉ.अरविंद प्रताप सिंह आदि प्राध्यापकों के साथ साथ अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

ड्रोन का प्रशिक्षण दिया

सुल्तानपुर। कमला नेहरू संस्थान के कृषि संकाय में ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन जस्ट एग्रीकल्चर के संस्थापक डॉ. डीपीएस बड़वाल और जोनल हेड शिवेंद्र राठौर के माध्यम से ड्रोन उपलब्ध कराया गया। प्रशिक्षक गोपी राजा ने बड़े पौधों पर छिड़काव कर प्रशिक्षित किया।(संवाद)

ड्रोन से खड़ी फसलों पर सफलतापूर्वक डिमांस्ट्रेशन

केएनआई पीएसएस कृषि संकाय मे ड्रोन से फसलो पर छिड़काव का सफलतापूर्वक हुआ डिमांस्ट्रेशन

सनशाइन समय संवाददाता

सुलतानपुर। कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के कृषि संकाय द्वारा आयोजित सात

दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण के तीसरे दिन शुक्रवार को ड्रोन मंथन के दौरान ड्रोन का खड़ी फसलों पर सफलतापूर्वक डिमांस्ट्रेशन किया गया। डिमांस्ट्रेशन में उपस्थित शिक्षकों को ड्रोन का प्रयोग सिखाया गया तथा फसलों पर ड्रोन से छिड़काव की विधि सिखाई गयी। ड्रोन के डिमॉस्ट्रेशन के दौरान उपस्थित संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने छात्र छात्राओं को निर्देशित करते हुए कृषि फसलों में ड्रोन के उपयोग द्वारा समय व धन की बचत का सुझाव प्रदान किया। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर सी के त्रिपाठी ने कृषि क्रिया कलापों मे ड्रोन की वर्तमान उपादेयता पर बताया कि कृषि क्षेत्र में लागत कम करने एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा कृषि की नई तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन्होंने कहा कि इसके लिए किसानों को नए–नए प्रकार के कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना की जा रही है जिसमें ड्रोन को भी शामिल किया गया है। इस क्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ पंकज सिंह ने कहा कि खेती में ड्रोन का उपयोग बढ़ाने एवं किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करने के लिए आज का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक सजीव प्रदर्शन है। इस मौके पर संस्थान के प्राध्यापक डॉ. आर डी सिंह, डॉ. अशोक वर्मा, डॉ. नवीन विक्रम सिंह व डॉ. नीरज सिंह सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

ड्रोन से फसलों पर दवा का छिड़काव का प्रदर्शन

संवाद न्यूज एजेंसी

केएनआईपीएसएस के कृषि संकाय में ड्रोन प्रशिक्षण

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ड्रोन की गतिविधि देखते विद्यार्थी। संवाद

सुल्तानपुर। कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग से समय व धन की बचत होती है। आधुनिक तकनीक से कृषि क्षेत्र से जुड़े किसानों की आमदनी बढ़ेगी। यह बात कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के कृषि संकाय में आयोजित सात दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण के तीसरे दिन प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने कहीं।

प्रशिक्षण के दौरान खड़ी फसल पर ड्रोन से दवाओं के छिड़काव की विधि सिखाई गई। कृषि वैज्ञानिक डॉ. सीके त्रिपाठी ने खेती में ड्रोन की वर्तमान उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में लागत कम करने व किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से नई तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

किसानों को आधुनिकतम कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए कस्टम हायरिंग केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इसमें ड्रोन को भी सम्मिलित किया गया है। डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि खेती में ड्रोन का उपयोग बढ़ाने व किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करने के लिए यह प्रशिक्षण कारगर सिद्ध होगा। इस मौके पर प्राध्यापक डॉ. आरडी सिंह, डॉ. अशोक वर्मा, डॉ. नवीन विक्रम सिंह, डॉ. नीरज सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

ड्रोन द्वारा खड़ी फसलों पर सफलतापूर्वक हुआ डिमांस्ट्रेशन

वॉयस ऑफ अमेठी

सुल्तानपुर ब्यूरो। कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के कृषि संकाय द्वारा आयोजित सात दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण के तीसरे दिन दिनांक 24/02/2023 को ड्रोन मंथन के दौरान ड्रोन का खड़ी फसलों पर सफलतापूर्वक डिमांस्ट्रेशन किया गया। डिमांस्ट्रेशन में उपस्थित शिक्षकों को ड्रोन का प्रयोग सिखाया गया तथा फसलों पर ड्रोन से छिड़काव की विधि सिखाई गयी।ड्रोन के डिमोंस्ट्रेशन के दौरान उपस्थित संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह नें छात्र छात्राओं को निर्देशित करते हुए कृषि फसलों में ड्रोन के उपयोग द्वारा समय व धन की बचत का सुझाव प्रदान किया।कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर सी के त्रिपाठी नें कृषि क्रिया कलापों में ड्रोन की वर्तमान उपादेयता पर बताया कि कृषि क्षेत्र में लागत कम करने एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा कृषि की नई तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।इन्होंने कहा कि इसके लिए किसानों को नए-नए प्रकार के कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना की जा रही है जिसमें ड्रोन को भी शामिल किया गया है।इस क्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ पंकज सिंह नें कहा कि खेती में ड्रोन का उपयोग बढ़ाने एवं किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करने के लिए आज का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक सजीव प्रदर्शन है।इस मौके पर संस्थान के प्राध्यापक डॉ.आर डी सिंह,डॉ.अशोक वर्मा, डॉ.नवीन विक्रम सिंह व डॉ.नीरज सिंह सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

खुशी उपाध्याय बनी एयर होस्टेस

के एन आई के कृषि संकाय फरीदीपुर में ड्रोन डिमांस्ट्रेशन

संवाददाता प्रदीप सोनी प्रथा प्रतिज्ञा

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के कृषि संकाय द्वारा आयोजित सात दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण के तीसरे दिन दिनांक 24/02/2023 को ड्रोन मंथन के दौरान ड्रोन का खड़ी फसलों पर सफलतापूर्वक डिमांस्ट्रेशन किया गया। डिमांस्ट्रेशन में उपस्थित शिक्षकों को ड्रोन का प्रयोग सिखाया गया तथा फसलों पर ड्रोन से छिड़काव की विधि सिखाई गयी। ड्रोन के डिमोंस्ट्रेशन के दौरान उपस्थित संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह नें छात्र छात्राओं को निर्देशित करते हुए कृषि फसलों में ड्रोन के उपयोग द्वारा समय व धन की बचत का सुझाव प्रदान किया। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर सी के त्रिपाठी नें कृषि क्रिया कलापों में ड्रोन की वर्तमान उपादेयता पर बताया कि कृषि क्षेत्र में लागत कम करने एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा कृषि की नई तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन्होंने कहा कि इसके लिए किसानों को नए-नए प्रकार के कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना की जा रही है जिसमें ड्रोन को भी शामिल किया गया है। इस क्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ पंकज सिंह नें कहा कि खेती में ड्रोन का उपयोग बढ़ाने एवं किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करने के लिए आज का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक सजीव प्रदर्शन है। इस मौके पर संस्थान के प्राध्यापक डॉ. आर डी सिंह, डॉ. अशोक वर्मा, डॉ. नवीन विक्रम सिंह व डॉ. नीरज सिंह सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी के एन आई सुल्तानपुर।